

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - १

रविवार, १० जुलाई, २०१६

समय : सुबह ९.०० से १२.००

कुल गुण : १००



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक महिना वर्ष

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर

पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (६)	
	२ (५)	
	३ (४)	
	४ (४)	
	५ (८)	
	६ (८)	
	७ (७)	
	८ (५)	

विभाग-१, कुल गुण (४७)

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (८)	
	११ (८)	
	१२ (५)	
	१३ (८)	

विभाग-२, कुल गुण (३८)

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१४ (१५)	

विभाग-३, कुल गुण

मोडरेशन विभाग माटे ४

गुण आंकडामें

शब्दोंमें

चेकरनुं नाम

❧ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ❧

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।
२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होगी । इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और ऐसी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।
४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।
५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।
७. परीक्षा खंड के बाहर अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
८. सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्यूट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।
९. सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।
१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नपत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।
११. मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।
१२. परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।
१३. प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।
 - परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता है । प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
 - जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा । जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
 - प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा । एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।
 - प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
 - नोंध : जिस परीक्षार्थी ने भारत की प्रवीण परीक्षा उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।
१४. अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ६	नाम	प्र - २ गुण - ५	नाम
----------------------------------	--------------------	-----	--------------------	-----

[illegible]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए । (कुल गुण : ५)

१. “अक्षर सबका दृष्टा, सबका साक्षी है ।”

२. “ऋते ज्ञानान्न मुक्तिः ।”

३. “जो भक्त ब्रह्मरूप होकर परब्रह्म की भक्ति नहीं करता, उसके संबंध में यही कहा जाएगा कि उसका भी आत्यंतिक कल्याण नहीं हुआ ।”

४. “चिदाकाश में करोड़ों ब्रह्माण्ड हैं ।”

५. “छोकरे, भगवान की तुलना न कर ।”

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ४)


सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. मोक्ष मार्ग में अक्षरब्रह्म की आवश्यकता : परब्रह्म को तत्त्व सहित जानने के लिए

- (१) तभी उसकी इन्द्रियाँ और अंतःकरण, सब अक्षररूप हो जाते हैं ।

- (२) अक्षर तो पुरुषोत्तम भगवान का धाम है ।

- (३) ज्ञान कैसा है ? वह तो प्रधानपुरुष से परे है ।

- (४)  इसके बाद वह भगवान की उसी मूर्ति को परम चैतन्य, सत्, चित तथा आनंदमय मानने लगता है ।

१. प्रकट भक्ति की महिमा ।
२. दिव्यभाव
३. अक्षर और पुरुषोत्तम का परस्पर सम्बंध

[illegible]

()

.....

.....

.....

This image shows a blank sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and extend across the width of the page. In the bottom right corner, there is a small rectangular box divided into two sections. The left section contains the text "गुण : ४" (Guna : 4) in Devanagari script. The right section is empty.

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ७		नाम
----------------------------------	--------------------	--	-----

३. ऐसे प्रकट ब्रह्मस्वरूप

.....

..... अधिकारी बन जाता है । गुण : १

४. श्रीजीमहाराज सदा ही

.....

.....

..... निर्गुण कर देते हैं । गुण : १

(उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए ?)

५. जब भगवान पृथ्वी पर

..... नहीं समझना चाहिए । गुण : १

६. मुक्तों की आत्मा

..... नहीं समझना चाहिए । गुण : १

७. वचनामृतादि सत्शास्त्रों का

..... नहीं समझना चाहिए । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **३३** केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ उत्पत्ति सर्ग । (वर्णनात्मक) टिप्पणी लिखिए । (कुल गुण : ५)

.....

.....

.....

.....

.....

[illegible]

--	--

[illegible]

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - ८	नाम
----------------------------------	---------------------	-----

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें ।

(कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. मुकुन्ददास सच्चे गुरु की खोज में निकल पड़े

गुण : २

(१) ☐ वांकानेर के कल्याणदास के पास

(२) ☐ लोज के तुलसीदास के पास

(३) ☐ ध्रांगध्रा के द्वारकादास के पास

(४) ☐ सारंगपुर के जीवाखाचर के पास

२. खुशाल भक्त ने भगवान स्वामिनारायण के प्राकट्य और महिमा विषयक बातें सुनी

गुण : २

(१) ☐ सर्वेश्वरानंदजी

(२) ☐ काशीरामभाई

(३) ☐ आशारामभाई

(४) ☐ मुरलीधरभाई

३. प्रमुखस्वामी महाराज के बारे में अन्य साधु समाज की संत विभूतियों की अनुभूति और उद्गार

गुण : २

(१) ☐ आधुनिक युग के मर्यादापुरुष

(२) ☐ भारतीय संस्कृति का विजयध्वज लहरानेवाले

(३) ☐ आध्यात्मिकता के सिरमौर

(४) ☐ उनके द्वारा भगवान स्वामिनारायण प्रकट हैं ।

४. प्रमुखस्वामीजी की निःस्वादिता ।

गुण : २

(१) ☐ जाओ, कुछ नहीं होगा ।

(२) ☐ ब्राह्मणों ने कढ़ी बनाई ।

(३) ☐ यदि ठाकुरजी ने इसे ग्रहण कर लिया है, तो हमें इसे खाने में क्या हर्ज हो सकता है ?

(४) ☐ स्वाद अजीब सा था ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक





केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१४ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १५)

१. पवित्र प्रेरणाओं का दिव्य प्रकाश : अक्षरधाम

२. भगवान श्री स्वामिनारायण : दिव्यधामों के दर्शन

३. प्रमुखस्वामी महाराज : सदा दुःख दुविधाओं से परे

()

.....

.....

.....

.....

.....

